प्रभु क्षमा करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

“तेरा वचन मेरे पांव के लिये दीपक और मेरे मार्ग के लिये ज्योति है।”
भजन संहिता 119:105 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम की स्तुति हो! आइए हम परमेश्वर के जीवित वचन—बाइबल—के माध्यम से परम सत्य को खोजें, जो न केवल हमें इस जीवन में मार्गदर्शन देती है, बल्कि अनंत जीवन की ओर भी ले जाती है। बाइबल केवल कुछ शब्दों का संग्रह नहीं है; यह जीवित परमेश्वर की आवाज़ है जो हर पीढ़ी से बात करती है।

शैतान का एक पुराना झूठ: “परमेश्वर क्षमा नहीं करता”

शुरुआत से ही शैतान परमेश्वर के स्वरूप को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करता आया है। उसका एक विनाशकारी झूठ यह है कि परमेश्वर क्षमा नहीं करता या वह हमसे इतना क्रोधित है कि हमें प्रेम नहीं कर सकता। यह झूठ लोगों को उद्धार की आशा से दूर करने के लिए बोया गया है।

शैतान जानता है कि यदि कोई यह सच्चाई समझ ले कि परमेश्वर वास्तव में पाप क्षमा करता है, तो वह व्यक्ति प्रभु के पास दौड़कर

प्रभु क्षमा करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

जाएगा, और शैतान का उस पर कोई अधिकार नहीं रहेगा। इसलिए वह लगातार लोगों को यह यकीन दिलाने की कोशिश करता है कि उनके पाप बहुत अधिक हैं, बार-बार दोहराए गए हैं या क्षमा के योग्य नहीं हैं।

लेकिन बाइबल कुछ और ही कहती है।

क्षमा करना परमेश्वर के स्वभाव का मूल है

परमेश्वर अनिच्छा से क्षमा नहीं करता—बल्कि यह उसके चरित्र का अभिन्न भाग है। वह करुणामय और दयालु परमेश्वर है, जो टूटे हुए लोगों को पुनःस्थापित करने में प्रसन्न होता है। उसकी क्षमा पूरी, नि:शुल्क और अवर्णनीय अनुग्रह है।

“तुझ सा कोई ईश्वर नहीं है, जो अधर्म को क्षमा करता है और
अपराध को टाल देता है… वह सदा क्रोध नहीं करता, क्योंकि वह करुणा करने में प्रसन्न होता है।”
मीका 7:18 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

उसकी यह अनुग्रहकारी क्षमा चौंकाने वाली और शक्तिशाली है। परमेश्वर की महिमा केवल उसके चमत्कारों या शक्ति के कार्यों

प्रभु क्षमा करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

में नहीं है, बल्कि उसमें भी है कि वह पाप को क्षमा करता है और उसे पूरी तरह मिटा देता है।

“हे यहोवा, यदि तू अधर्म की बातों को ध्यान में रखे, तो
प्रभु, कौन ठहर सकता है? परन्तु तू क्षमा करता है, ताकि लोग
तेरा भय मानें।”
भजन संहिता 130:3–4 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

ध्यान दें: यहाँ लिखा है “ताकि लोग तेरा भय मानें।” यह परमेश्वर का क्रोध नहीं, बल्कि उसकी अद्भुत करुणा है जो हमारे मन में उसके प्रति आदर और भय उत्पन्न करती है।

क्या कोई पाप इतना बड़ा है कि परमेश्वर क्षमा न कर सके?

आप सोच सकते हैं, “मैंने बहुत पाप किए हैं। क्या मेरे जैसे व्यक्ति को क्षमा मिल सकती है?”
क्या आपने हत्या की है? क्या आप किसी यौन पाप में बार-बार गिरे हैं? क्या आपके मन में नफरत, कटुता या निन्दा है?

फिर भी क्षमा संभव है। प्रेरित पौलुस पहले मसीहियों का

प्रभु क्षमा करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

हत्यारा था, लेकिन परमेश्वर ने न केवल उसे क्षमा किया, बल्कि
उसे सबसे महान प्रेरितों में से एक बनाया (प्रेरितों के काम 9:1–22)।

केवल एक ही पाप है जो क्षमा नहीं किया जाता—वह है परमेश्वर की क्षमा को ठुकराना। यीशु ने कहा:

“मैं तुमसे सच कहता हूँ, मनुष्यों के सब पाप क्षमा किए
जाएंगे, और जितनी भी निन्दाएं वे करें; परन्तु जो कोई पवित्र आत्मा की निन्दा करता है, उसको क्षमा नहीं मिलती, वह सदा के
लिए दोषी ठहरता है।”
मरकुस 3:28–29 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

यह “पवित्र आत्मा की निन्दा” जानबूझकर, लगातार मसीह की गवाही को अस्वीकार करना है। यह कोई अनजाने में हुआ पाप नहीं, बल्कि एक कठोर हृदय की प्रतिक्रिया है जो पश्चाताप करने से मना करता है।

क्षमा कैसे प्राप्त होती है: पश्चाताप और विश्वास के द्वारा

बाइबल सिखाती है कि परमेश्वर की क्षमा पाने के लिए दो बातें

प्रभु क्षमा करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

आवश्यक हैं:

1. पश्चाताप – पाप से सच्चे मन से मुड़ना।

2. यीशु मसीह पर विश्वास – यह विश्वास रखना कि उन्होंने हमारे पापों के लिए मरण झेला और पुनर्जीवित हुए।

“यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह विश्वासयोग्य और
न्यायी है, कि हमारे पाप क्षमा करे और हमें सब अधर्म से
शुद्ध करे।”
1 यूहन्ना 1:9 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

यह विश्वास केवल भीतर की भावना नहीं है, बल्कि यह बाहरी रूप से भी व्यक्त होता है, विशेषकर बपतिस्मा के द्वारा—जो इस बात का प्रतीक है कि हम पुराने जीवन के लिए मर चुके हैं और मसीह में नया जीवन प्राप्त करते हैं।

प्रभु क्षमा करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

क्षमा और पाप की शक्ति का हटाया जाना

क्षमा का मतलब केवल यह नहीं है कि हमें सजा से बचा लिया गया, बल्कि यह है कि हमें नया जीवन दिया गया है। बहुत से मसीही लोग इसलिए बार-बार पाप में गिरते हैं क्योंकि उन्होंने कभी पाप की जड़ को हटाने नहीं दिया।

यहीं पर यीशु के नाम में बपतिस्मा लेना केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि शक्तिशाली बन जाता है।

“तब पतरस ने उनसे कहा, ‘मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम पर बपतिस्मा ले; तब तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओगे।’”
प्रेरितों के काम 2:38 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

यह है सुसमाचार की संपूर्ण प्रतिक्रिया: पश्चाताप करो, बपतिस्मा लो, क्षमा प्राप्त करो, और पवित्र आत्मा को प्राप्त करो।

बाइबल हमें सिखाती है कि बपतिस्मा पुराने जीवन का गाड़ा जाना है (रोमियों 6:3–4), और पवित्र आत्मा हमें नई जीवन-यात्रा के लिए

प्रभु क्षमा करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

सामर्थ देता है। परमेश्वर केवल क्षमा नहीं करता—वह आपको नया जीवन जीने की सामर्थ देता है।

आपको क्या करना चाहिए?

यदि आपने अभी तक बाइबल के अनुसार न तो पश्चाताप किया है और न ही बपतिस्मा लिया है, तो आज निमंत्रण खुला है:

पश्चाताप करें – पाप से सच्चे मन से मुड़ें और मसीह का अनुसरण करने का निर्णय लें।

बपतिस्मा लें – जल में, पूर्ण डुबकी द्वारा, यीशु मसीह के नाम में (प्रेरितों के काम 10:48; 22:16)।

विश्वास रखें – कि आपको क्षमा मिल चुकी है, भले ही आपकी भावनाएँ कुछ और कहें।

पवित्र आत्मा को ग्रहण करें – जो आपको एक पवित्र जीवन जीने की सामर्थ देता है और आपके उद्धार पर मुहर लगाता है (इफिसियों

प्रभु क्षमा करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

1:13–14)।

“क्योंकि हम विश्वास से चलते हैं, न कि देखने से।”
2 कुरिन्थियों 5:7 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)

अंतिम विचार

शर्म या भय आपको परमेश्वर के अनुग्रह से दूर न करें। आपके द्वारा किया गया कोई भी पाप मसीह के लहू की पहुँच से बाहर नहीं है। आज ही उसके पास आइए, सच्चे मन से पश्चाताप करें और उसकी आज्ञा का पालन करें। आपके पाप क्षमा किए जाएंगे, आपका हृदय नया किया जाएगा, और आपका नाम जीवन की पुस्तक में लिखा जाएगा।

“

Share on:
WhatsApp